सबसे पहले स्वर्ण (नियंत्रण) विधेयक लाई थी, उस समय सोने का जो भाव था, आज उसमें बहुत वृद्धि हो गई है। जहां तक सोने को देश के आर्थिक विकास के लिए उपयोग में लाने का सम्बन्ध है, आभूषणों के सोने का उपयोग बहुत कम हो गया है। क्यों कि आज उसका फैशन नहीं रहा है। मृत सम्पत्ति के रूप में सोना गावों में होगा, शहरों में तो कम ही है।

अंग्रेज जितने करेन्सी नोट छापता था, उतना सोना वह अपने खजाने में अवश्य रखता था। वित मंत्री महोदय स्पष्ट करें कि आज जितने करेन्सी नोट बाजार में चल रहे हैं, क्या उतना सोना सरकार के खजाने में जमा है। आखिर सरकार को रुपये की कीमत घटाने की जरूरत क्यों पड़ी है? जब फांस ने अपनी मुद्रा का अवमूल्यन किया है, तो इस सरकार को भी सोचना पड़ रहा है कि कहीं रुपये की कीमत दोबारा कम करने की नौबत न आ जाये। सरकार के दीवालीयेपन का इससे बड़ा सुबूत और क्या हो सकता है?

अगर सोने के सम्बन्ध में इस देश के लोगों का मोह कम करना है, तो उसका एक उपाय यह है कि सरकार स्वयं सोने का आयात करे। ऐसा करने से देश में इतना सोना हो जायगा कि कोई भी व्यक्ति चोरी से सोना नहीं रखना चाहेगा, क्योंकि लोग समझेंगे कि जब चाहें, तब सोना लिया जा सकता है। मैं समझता हूं कि इस तरह के कानून बना कर सरकार ने व्यापारियों और आभूषण बनाने वालों को चोरी करने की आदत सिखा दी है और देश को जान-बूझ कर भ्रष्टाचार के मार्ग पर डाला जा रहा है। सोने का आयात करने से देश को उस से भी बचाया जा सकेगा।

इसलिए मैं अपने मित्र के उस सुझाव से सहमत हूं जो इस विधेयक के सम्बन्ध में सुझाव आया है कि इस विधेयक को जनता की राय जानने के लिए परिचालित किया जाये और लोगों की राय जान कर तब इस सम्बन्ध में कोई आवश्यक निर्णय लिए जायं।

MR. SPEAKER: The House stands adjourned for Lunch till 2 P.M.

**13.00 hrs.**

*The Lok Sabha adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.*

———

*The Lok Sabha re-assembled after Lunch at Four Minutes past Fourteen of the Clock.*

[Shri K. N. Tiwary *in the Chair*]

## RE. RAILWAY ACCIDENT NEAR HYDERABAD – *contd.*

**श्री जार्ज फ़रनेन्डीज** : सभापति महोदय, मुझे आपसे एक अर्ज करनी है। आज सुबह के अखबारों में हैदराबाद के नजदीक कल जो रेल अपघात हुआ है, उसके बारे में बहुत ही गम्भीर खबर छपी है। इस सम्बन्ध में काल-एटेन्शन तथा एडजार्नमेंट मोशन हम दे चुके हैं, लेकिन उम्मीद करते थे कि सरकार की ओर से, विशेष कर रेल मंत्री की ओर से आज कोई बयान आयेगा, क्योंकि इस अपघात में १२ आदमी मरे हैं और खबरों के अनुसार जिस रेल-गाड़ी के नीचे वे लोग आये हैं रेलगाड़ी बिना बत्ती के चल रही थी। इसलिये हमें यह मामला बहुत ही गम्भीर लग रहा है। स्पीकर साहब जिस समय काल-एटेन्शन लेंगे, तब वह लिया जाएगा, लेकिन हम चाहेंगे कि आप सरकार से कहें कि इस अपघात पर तत्काल आज शाम तक डा० राम सुभग सिंह की ओर से कोई बयान आवे। हमें आशा है कि आप ऐसी कृपा करेंगे।

**सभापति महोदय** : ठीक है, रेलवे मन्त्री महोदय को इस विषय पर एक वक्तव्य देना चाहिये।

**श्री गुणानन्द ठाकुर** (सहरसा) : सभापति जी, मैं आपका ध्यान उत्तर बिहार में गंगा नदी की बाढ़ की ओर खींचना चाहता हूं, वहां पर सब कुछ डिस्लोकेट हो गया है, दक्षिण और उत्तर का जो कोई सम्बन्ध नहीं रखा गया है। उत्तर बिहार जिसकी आबादी 2 करोड़ से अधिक

[श्री गुणानन्द ठाकुर]

है, उसका सम्बन्ध पटना के साथ, जो बिहार की राजधानी है, बिल्कुल टूट गया है। पटना से लेकर बरारी घाट तक...

**सभापति महोदय** : मैं समझ गया हूँ, आप बैठ जाइये। हर विषय को इस वक्त यहां उठा कर इस को जीरो-आवर बना दिया जाये, यह ठीक नहीं है। श्री जार्ज फरनेन्डीज साहब ने एक महत्वपूर्ण चीज उठाई थी, जिसमें लोगों की जानें गई हैं, इसलिये मैंने उनको एलाऊ कर दिया दूसरी किसी बात को इस वक्त एलाऊ नहीं किया जा सकता।

**श्री जार्ज फरनेन्डीज** : आज शाम तक बयान आजाये, इसके लिए उनको कहिये।

**सभापति महोदय** : ठीक है, उसके लिये कह दिया है खबर आने पर दिया जायगा।

**श्री गुणानन्द ठाकुर** : सभापति जी, बिहार के सामने इस समय एक बड़ा संकट उपस्थित हो गया है, हजारों आदमी रोज राजधानी जाते थे, आज तक कभी स्टीमर-सेवा स्थगित नहीं हुई। आप इस पर मन्त्री जी को बयान देने के लिए कहिये तथा गंगा पुल कब तक बनेगा, इस बारे में वह निश्चित आश्वासन दें।

———

**14 05 hrs.**

## STATUTORY RESOLUTION RE DISAPPROVAL OF GOLD CONTROL (AMENDMENT) ORDINANCE AND GOLD CONTROL AMENDMENT BILL—*Contd.*

SHRI LOBO PRABHU (Udipi) : It is not necessary for me to dilate or to repeat the arguments which have been pressed by my predecessors on the complete abolition of this Act. The Supreme Court held that the Act was justified on two grounds, firstly, the existence of large-scale smuggling totalling about Rs. 100 crores on an average and secondly the necessity to make the disposal of smuggled gold as difficult as possible. The hon. Minister may like to controvert the figures. But I say that there are 100 men for every single case of smuggling which is detected. The detection is that poor that a hundred men have to be employed for every case detected. In respect of checking the disposal of smuggled golds, the compartive statistics are that there are ten men for every case which has been brought to court under the Gold Cotnrol Act. These are my figures. The hon. Minister must say how many cases have been brought to court under the Gold Control Act. If they had not been brought to court under the Gold Control Act, we can only conclude that this Act has been used by the staff to enlarge their own income and to indulge in iliegal gratification. This is a common feature of this Act, and it is an Act of which Government should be thoroughly ashamed, unless Government are the protector of corrupt officials and smugglers, that they have this Act on the statute-book.

SHRI GEORGE FERNANADES (Bombay South) . Of course it is. Does he not know that ?

SHRI LOBO PRABHU : The next question which is a very important one for us is smuggling. We are concerned as much as Government to check smuggling. Here again, Government are the principal architect of smuggling. Why does smuggling exist ? Smuggling exists becuase there is a big difference between the indigenous and foreign prices of gold and it is such a big difference that no one but a fool would stop indulging Government are inviting smuggling because they keep this kind of inflation, and since the budget, inflation has gone up by 20 points. To that extent, Government have enlarged their invitation and has made it more profitable for smugglers to indulge in their trade.

The second reason for smuggling is the insecurity which Government have introduced in the way of our life. I hope my hon. friends would not mind this when I say that since the nationalsiation of banks, the price of gold has gone up by 20 per cent.

SHRI GEORGE FERNANDES : It is wrong.

SHRI JYOTIRMOY BASU (Diamond Harbour) : It is wrong.

SHRI GEORGE FERNANDES : Wherefrom did he get his figures ? Form the smugglers ?